International Journal for Multidisciplinary Research (IJFMR)
E-ISSN: 2582-2160 ● Website: www.ijfmr.com ● Email: editor@ijfmr.com

जी20 की अध्यक्षता में भारत की भूमिका

अखिलेश कुमार

शोध छात्र स्नातकोत्तर समाजशास्त्र विभाग,ति.मां.भा.वि.वि.,भागलपुर 812007

सारांश

20 का समूह ;जी20 एक अंतरराष्ट्रीय मंच है जो आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देता है जो हर साल एक घूर्णनशील प्रेसीडेंसी के नेतृत्व में आयोजित किया जाता है। जी20 दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं का प्रमुख समूह है जो सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों से निपटने के लिए कुछ अंतरराष्ट्रीय मानक बनाने का कार्य करता है। विश्व अर्थव्यवस्था के क्षितिज पर जी20 का उदय एक महत्वपूर्ण विकास है। सबसे मौलिक और दिलचस्प हिस्सा भारत की अध्यक्षता में जी20 शिखर सम्मेलन का विषय है। भारत की जी20 अध्यक्षता वसुधैव कुटुंबकम या एक पृथ्वी एक परिवार एक भविष्य और विश्व एक परिवार है की सच्ची भावना को प्रकट करने पर जोर देती है।

परिचय

जी20 दुनिया की अधिकांश सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के वित्त मंत्रालयों से बना है जिसमें औद्योगिक और विकासशील दोनों देश शामिल हैं यह सकल विश्व उत्पाद ;जीडब्ल्यूपी का लगभग 80% अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का 75% वैश्विक आबादी का दो.तिहाई और दुनिया के भूमि क्षेत्र का 60% हिस्सा है । जी20 की स्थापना 1999 में कई विश्व आर्थिक संकटों के जवाब में की गई थी। 2008 के बाद से यह साल में कम से कम एक बार बुलाई जाती है जिसमें प्रत्येक सदस्य के सरकार या राज्य के प्रमुख वित्त मंत्री या विदेश मंत्री और अन्य उच्च.रैंकिंग अधिकारी शामिल होते हैं यूरोपीय संघ का प्रतिनिधित्व यूरोपीय आयोग और यूरोपीय सेंट्रल बैंक द्वारा किया जाता है । जी20 अन्य देशों अंतरराष्ट्रीय संगठनों और गैर.सरकारी संगठनों को शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाता है कुछ को स्थायी रूप से।

2009 के अपने शिखर सम्मेलन में जी20 ने खुद को अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक और वित्तीय सहयोग के लिए प्राथमिक स्थल घोषित किया। अगले दशक के दौरान समूह का कद बढ़ गया है और विश्लेषकों द्वारा इसे काफी वैश्विक प्रभाव डालने वाले के रूप में मान्यता दी गई है जी20 इसकी सीमित सदस्यता प्रवर्तन शक्तियों की कमी और मौजूदा अंतरराष्ट्रीय संस्थानों को कथित तौर पर कमजोर करने के लिए भी

आलोचना की जाती है। जी20 शिखर सम्मेलनों को अक्सर विरोध का सामना करना पड़ता है विशेषकर वैश्वीकरण विरोधी समूहों द्वारा ।

भारत ने 1 दिसंबर 2022 से जी20 की अध्यक्षता संभाली है इसकी अध्यक्षता का विषय वसुधैव कुटुंबकम या संस्कृत में वसुधैव कुटुंबकम् या अंग्रेजी में एक पृथ्वी एक परिवार एक भविष्य के रूप में अनुवादित है ।और 9 सितंबर से 10 सितंबर 2003 तक राजधानी दिल्ली में संपन्न होगा। 26 अगस्त 2023 को एक साक्षात्कार में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की अध्यक्षता के तहत जी20 देशों के विकसित एजेंडे के बारे में आशावाद व्यक्त किया जो मानव.केंद्रित विकास दृष्टिकोण की ओर बढ़ रहा है जो जलवायु परिवर्तन ऋण पुनर्गठन को संबोधित करने सहित वैश्विक दक्षिण की चिंताओं के साथ संरेखित है। ऋण के लिए जी20 के सामान्य ढांचे और वैश्विक क्रिप्टोकरेंसी के विनियमन के लिए एक रणनीति के माध्यम से ।

सदस्य

अर्जेंटीना,ऑस्ट्रेलिया,ब्राजील,कनाडा,चीन,फ्रांस,जर्मनी,भारत,इंडोनेशिया,इटली,जापान,कोरिया,गणराज्य,मैक्सिको,रूस,सऊदी अरब ,दक्षिण अफ्रीका,तुर्की,यूनाइटेड किंगडम,संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय संघ

ग्रुप ऑफ ट्वेंटी जिसे जी20 के नाम से जाना जाता है अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के लिए वैश्विक मंच है। यह सभी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय आर्थिक मुद्दों पर वैश्विक वास्तुकला और शासन को आकार देने और मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भारत जी20 प्रेसीडेंसी 2023। 1 दिसंबर 2022 से 30 नवंबर 2023 तक प्रभावी रहेगी। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने औपचारिक रूप से इंडोनेशियाई राष्ट्रपति जोको विडोडो से भारत जी20 प्रेसीडेंसी 2023 ,19 बड़ी अर्थव्यवस्थाओं और यूरोपीय संघ वाले 20 देशों का समूह का बैटन प्राप्त किया। 16 नवंबर को बाली में 17 वें जी 20 शिखर सम्मेलन 2022 का समापन। इस जिम्मेदारी को स्वीकार करते हुए पीएम मोदी ने जी20 थीम की रूपरेखा तैयार की और कहा कि भारत की जी20 अध्यक्षता समावेशी महत्वाकांक्षी निर्णायक और कार्य-उन्मुख होगी। उन्होंने कहा कि भारत का प्रयास होगा कि जी 20 सामूहिक कार्रवाई को गति देने के लिए वैश्विक प्रमुख प्रस्तावक के रूप में काम करे । तदनुसार जी20 सदस्यों वाले सभी जी20 देशों को जी20 शिखर सम्मेलन 2023 में एक साथ काम करना है।

भारत के जी20 की अध्यक्षता ग्रहण करने से वैश्विक मंच पर एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में उसके उभरने का निर्णायक संकेत मिला है। जबकि दुनिया के अधिकांश देशों दोनों विकसित और विकासशील को कोविड. 19 महामारी और रूस.यूक्रेन संघर्ष द्वारा उत्पन्न चुनौतियों को प्रभावी ढंग से संभालना मुश्किल हो गया है भारत अपने साहसिक और दूरदर्शी नेतृत्व और विवेकपूर्ण नीतियों के माध्यम से पिछले तीन वर्षों में सामने आई विपरीत परिस्थितियों से सफलतापूर्वक निपटने में सक्षम। बीस देशों का समूह जिसे जी20 के नाम

से जाना जाता है । आज जी20 शिखर सम्मेलन हर साल एक घूर्णनशील राष्ट्रपति पद के नेतृत्व में आयोजित किया जाता है। शुरुआत में जी20 ने बड़े पैमाने पर व्यापक आर्थिक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया था लेकिन अब जी20 के लाभों का विस्तार इसके एजेंडे में हो गया है जिसमें अन्य बातों के साथ.साथ व्यापार जलवायु परिवर्तन सतत विकास स्वास्थ्य कृषि ऊर्जा पर्यावरण जलवायु परिवर्तन और भ्रष्टाचार विरोधी शामिल हैं।

जी20 मंच के उद्देश्यों में शामिल हैं

- वैश्विक वास्तुकला की स्थापना और सुदृढ़ीकरण
- वैश्विक आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए अग्रणी मंच
- अत्यावश्यक और गंभीर समस्याओं से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानक तैयार करना
- सबसे कमजोर राष्ट्रों को सहायता प्रदान करें और उच्च गुणवत्ता वाले रोजगार पर पुनर्प्राप्ति को केंद्रित करें और
- मजबूत टिकाऊ संतुलित और समावेशी विकास के सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता।
- पर्यावरण के लिए जीवन शैली
- रोजगार को बढ़ावा देना
- समावेशी न्यायसंगत और सतत विकास
- पर्यटन और कृषि
- कौशल-मानचित्रण जलवायु वित्तपोषण वैश्विक खाद्य सुरक्षा ऊर्जा सुरक्षा और हरित हाइड्रोजन
- डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा और तकनीक-सक्षम विकास

जी20 सदस्य विश्व के सबसे शक्तिशाली राष्ट्र साथ में

- ग्रुप ऑफ़ ट्वेंटी जी20 में 19 देश और यूरोपीय संघ शामिल हैं। जी20 सदस्य वैश्विक सकल
- जी20 कैसे काम करता है प्रेसीडेंसी जी20 एजेंडा का संचालन करता है
- जी20 प्रेसीडेंसी एक वर्ष के लिए जी20 एजेंडा का संचालन करती है और शिखर सम्मेलन की मेजबानी करती है।
- जी20 में दो समानांतर ट्रैक शामिल हैं फाइनेंस ट्रैक और शेरपा ट्रैक। वित्त मंत्री और केंद्रीय बैंक के गवर्नर वित्त ट्रैक का नेतृत्व करते हैं जबकि शेरपा शेरपा ट्रैक का नेतृत्व करते हैं।
- शेरपा की ओर से जी20 प्रक्रिया का समन्वय सदस्य देशों के शेरपाओं द्वारा किया जाता है जो नेताओं के निजी दूत होते हैं।

- दो ट्रैकों के भीतर विषयगत रूप से उन्मुख कार्य समूह हैं जिनमें सदस्यों के संबंधित मंत्रालयों के साथ. साथ आमंत्रित अतिथि देशों और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेते हैं।
- इसके अलावा ऐसे एंगेजमेंट समूह भी हैं जो जी20 देशों के नागरिक समाजों सांसदों थिंक टैंकों महिलाओं युवाओं श्रमिकों व्यवसायों और शोधकर्ताओं को एक साथ लाते हैं।
- समूह के पास कोई स्थायी सचिवालय नहीं है। प्रेसीडेंसी को ट्रोइका का समर्थन प्राप्त है . पिछली वर्तमान और आने वाली प्रेसीडेंसी। भारत की अध्यक्षता के दौरान तिकड़ी में क्रमशः इंडोनेशिया भारत और ब्राजील शामिल होंगे।

भारतीय प्रेसीडेंसी के लिए जी20 लोगो और थीम

जी20 लोगो भारत के राष्ट्रीय ध्वज के जीवंत रंगों केसरिया सफेद और हरे और नीले रंग से प्रेरणा लेता है। यह पृथ्वी ग्रह को भारत के राष्ट्रीय फूल कमल से जोड़ता है जो चुनौतियों के बीच विकास को दर्शाता है। पृथ्वी जीवन के प्रति भारत के ग्रह.समर्थक दृष्टिकोण को दर्शाती है जो प्रकृति के साथ पूर्ण सामंजस्य रखता है। जी20 लोगो के नीचे देवनागरी लिपि में लिखा हुआ भारत है। भारत की जी20 प्रेसीडेंसी का विषय वसुधैव कुटुंबकम या एक पृथ्वी एक परिवार एक भविष्य । महा उपनिषद के प्राचीन संस्कृत पाठ से लिया गया है। अनिवार्य रूप से विषय सभी जीवन मानव पशु पौधे और सूक्ष्मजीवों के मूल्य और पृथ्वी ग्रह और व्यापक ब्रह्मांड में उनके अंतर्संबंध की पुष्टि करता है।

जी20 शिखर सम्मेलन और भारत का नेतृत्व

भारत 2022 में बाली शिखर सम्मेलन में एक नेता समाधान प्रदाता और सर्वसम्मति निर्माता के रूप में उभरा। शिखर सम्मेलन से पहले विचार.विमर्श पर रूस.यूक्रेन संघर्ष की छाया बड़ी थी। शिखर सम्मेलन से पहले हुई कई जी20 बैठकों में संघर्ष पर एक उपयुक्त पारस्परिक रूप से स्वीकार्य भाषा पर पहुंचना संभव नहीं पाया गया। भारत इस मुद्दे पर विरोधी पक्षों के बीच एक पुल के रूप में कार्य करने में सक्षम था उनमें से अधिकांश यूक्रेन पर हमले के लिए रूस की आलोचना करने के लिए पश्चिमी गुट की स्थिति का समर्थन कर रहे थे और कुछ अन्य जो संघर्ष में पक्ष लेने के लिए अनिच्छुक थे। शिखर सम्मेलन के अंतिम घंटों में एक समझौता समाधान हासिल किया गया जिसने शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन के मौके पर समरकंद में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सामने प्रधान मंत्री मोदी के इस दावे को दोहराया कि आज युद्ध का युग नहीं है । साथ ही संघर्ष का समाधान भी होना चाहिए। संवाद और कूटनीति के माध्यम से पाया गया युद्ध के माध्यम से नहीं। इसके अलावा परमाणु हथियारों के उपयोग या उपयोग की धमकी की अस्वीकार्यता भी बाली घोषणा में निहित है। घोषणापत्र में जलवायु परिवर्तन से निपटने से लेकर भ्रष्टाचार उन्मूलन और कोविड टीकाकरण से लेकर महिलाओं को कंप्यूटर कौशल प्रदान करने तक कई अन्य मुद्दे

शामिल हैं। परमाणु हथियारों के उपयोग की अस्वीकार्यता या उपयोग की धमकी भी बाली घोषणा में निहित है। घोषणापत्र में जलवायु परिवर्तन से निपटने से लेकर भ्रष्टाचार उन्मूलन और कोविड टीकाकरण से लेकर महिलाओं को कंप्यूटर कौशल प्रदान करने तक कई अन्य मुद्दे शामिल हैं। परमाणु हथियारों के उपयोग की अस्वीकार्यता या उपयोग की धमकी भी बाली घोषणा में निहित है। घोषणापत्र में जलवायु परिवर्तन से निपटने से लेकर भ्रष्टाचार उन्मूलन और कोविड टीकाकरण से लेकर महिलाओं को कंप्यूटर कौशल प्रदान करने तक कई अन्य मुद्दे शामिल हैं।

भारत की जी20 प्राथमिकताएँ

भारत ने अत्याधुनिक प्राथमिकताओं की एक विस्तृत श्रृंखला की पहचान की है जिन पर विभिन्न जी20 कार्य समूहों द्वारा विचार-विमर्श किया जा रहा है ताकि हमारे सामने आने वाली प्रमुख चुनौतियों का समाधान करने और बेहतर भविष्य की योजना बनाने में मदद मिल सके। मैं उनमें से तीन पर प्रकाश डालूँगा।

पहला एजेंडा कल के शहरों के वित्तपोषण और उन्हें आर्थिक विकास के अग्रणी इंजन के रूप में स्थापित करने से संबंधित है। जबकि शहर वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 80% से अधिक उत्पन्न करते हैं अनियोजित और तेज़ शहरीकरण उनकी आर्थिक क्षमता को बाधित करता है। अनुमान है कि 2050 तक लगभग दोगुने लोग शहरों में रहेंगे। अपनी आर्थिक क्षमता को बनाए रखने के लिए शहरों को उन्नत बुनियादी ढांचे और सेवाओं जैसे विश्वसनीय पानी परिवहन बिजली अपशिष्ट प्रबंधन और किफायती आवास के माध्यम से अधिक रहने योग्य बनने की आवश्यकता है। शहरों को उद्यमिता नौकरियों और कौशल विकास के केंद्र के रूप में भी विकसित किया जाना चाहिए। इसके लिए स्मार्ट टिकाऊ और लचीले शहरी बुनियादी ढांचे में बड़े पैमाने पर निवेश की आवश्यकता है। वैश्विक स्तर पर अगले 15 वर्षों में शहरी बुनियादी ढांचे में सालाना लगभग 5 ट्रिलियन डॉलर का निवेश करने की आवश्यकता है। इन आवश्यक निवेशों में निजी क्षेत्र एक महत्वपूर्ण भागीदार है। इस वित्तपोषण आवश्यकता को पूरा करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय समर्थन जुटाने के लिए जी20 मंच का उपयोग किया जा सकता है।

दूसरा एजेंडा जहां भारत नेतृत्व कर सकता है वह है ऊर्जा परिवर्तन। कार्बन सघन ऊर्जा से नवीकरणीय ऊर्जा में एक व्यवस्थित और न्यायसंगत संक्रमण को सक्षम करने से न केवल जलवायु परिवर्तन से निपटने में मदद मिलेगी बल्कि ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने आर्थिक उत्पादकता बढ़ाने और नौकरियां पैदा करने पर्यावरणीय परिणामों में सुधार करने और स्वास्थ्य लागत को कम करने में भी मदद मिलेगी। दूसरे शब्दों में डीकार्बोनाइजेशन विकास है।

तीसरा आज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादक है जिसका और विस्तार किया जा रहा है। सौर ऊर्जा को बढ़ाने में भारत की सफलता हाल ही में घोषित कार्यक्रमों जैसे राष्ट्रीय हाइड्रोजन

मिशन इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए उत्पादन.लिंक्ड प्रोत्साहन और सौर प्रौद्योगिकियों और बैटरी ऊर्जा भंडारण के निर्माण और अपतटीय पवन का समर्थन करने के लिए प्रोत्साहन तंत्र सभी देश को अनुमति देते हैं उदाहरण के तौर पर नेतृत्व करना और शुद्ध.शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने की लागत को कम करने के लिए वैश्विक सहयोग को आगे बढ़ाना।

प्रमुख प्राथमिकताएँ

- समावेशी न्यायसंगत और सतत विकास
- पर्यावरण के लिए जीवन शैली
- महिला सशक्तिकरण
- स्वास्थ्य कृषि और शिक्षा से लेकर वाणिज्य तक के क्षेत्रों में डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढाँचा और तकनीक-सक्षम विकास
- कौशल-मानचित्रण संस्कृति और पर्यटन जलवायु वित्तपोषण चक्रीय अर्थव्यवस्था वैश्विक खाद्य सुरक्षा ऊर्जा सुरक्षा हरित हाइड्रोजन आपदा जोखिम में कमी और लचीलापन
- विकासात्मक सहयोग आर्थिक अपराध के खिलाफ लड़ाई और बहुपक्षीय सुधार।

जी20 मंच के उद्देश्यों में शामिल हैं

- वैश्विक वास्तुकला की स्थापना और सुदृढ़ीकरण
- वैश्विक आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए अग्रणी मंच
- अत्यावश्यक और गंभीर समस्याओं से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानक तैयार करनाए
- सबसे कमजोर राष्ट्रों को सहायता प्रदान करें और उच्च गुणवत्ता वाले रोजगार पर पुनर्प्राप्ति को केंद्रित करें और
- मजबूत टिकाऊ संतुलित और समावेशी विकास के सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता।

जी20 की महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ क्या हैं

- पिछले दो दशकों में लगातार और आपसी प्रयासों के माध्यम से जी20 सदस्य देशों के शासन पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालने में सक्षम रहा है। जी20 के कुछ महत्वपूर्ण योगदानों में शामिल हैं
- सदस्य राष्ट्र वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 90 प्रतिशत और वैश्विक व्यापार में 80 प्रतिशत योगदान करते हैं।
- वित्तीय संकट से जूझना जैसे . वैश्विक वित्तीय संकट 2008।2010 में यूरो जोन संकट आदि।

- 10 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के बचाव पैकेज के साथ जो आर्थिक और स्वास्थ्य संकटों से निपटने पर केंद्रित था जी20 ने कोविड 19 महामारी के खिलाफ दुनिया भर में संघर्ष का नेतृत्व किया।
- जी20 ऋण सेवा निलंबन पहल ने 50 देशों को लाभान्वित किया और अस्थिर ऋण बोझ को संबोधित करने और कम आय उभरते बाजार और विकासशील देशों को दीर्घकालिक भंडार प्रदान करने में मदद की।
- श्रम बाजार में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करते हुए अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने जी20 देशों में कामकाजी महिलाओं पर अपना चल रहा अध्ययन जारी रखा है।

यह ध्यान देने योग्य है कि जी समूह में कोई स्थायी सदस्य नहीं है और परिणामस्वरूप राष्ट्रपति पद को चक्रित करने की प्रक्रिया का पालन किया जाता है। 2023 मे चूंकि भारत पहली बार जी20 नेताओं का शिखर सम्मेलन बुलाएगा । 43 प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुख जी20 में अब तक का सबसे बड़ा यह अंततः इस साल के अंत में सितंबर में अंतिम नई दिल्ली शिखर सम्मेलन में भाग लेगा। सबसे मौलिक और दिलचस्प हिस्सा भारत की अध्यक्षता में जी20 शिखर सम्मेलन का विषय है। भारत की जी20 अध्यक्षता वसुधैव कुटुंबकम या एक पृथ्वी एक परिवार एक भविष्य और विश्व एक परिवार है की सच्ची भावना को प्रकट करने पर जोर देती है।

निष्कर्ष

भारत की जी20 की अध्यक्षता वैश्विक आर्थिक संबंधों में तीव्र उथल.पुथल के दौर में आती है। वैश्विक वित्तीय स्थिरता को खतरे में डालने वाले मुद्रास्फीति के दबाव बढ़ती आय असमानता आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा और सीओवीआईडी 19 महामारी सहित कई गंभीर आर्थिक कठिनाइयों के बीच भारत को राष्ट्रपति पद मिला है। क्षेत्रों के व्यापक स्पेक्ट्रम को कवर करना और मुद्दों का समाधान करना काफी चुनौतीपूर्ण है। हालाँकि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत मील का पत्थर हासिल करने के लिए तैयार है। जी20 2023 की भारतीय अध्यक्षता के तहत 190 से अधिक बैठकों की योजना बनाई गई है जो चुनौतीपूर्ण और रोमांचक नीतिगत प्रयास होने की उम्मीद है।

संदर्भ सूची

1.सऊदी अरब 2020 में जी20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। राष्ट्रीय 8जुलाई 2017

2. जी20 शिखर सम्मेलन 15,16 नवंबर 2022। 19 नवंबर 2022को लिया गया ।

3.एक पृथ्वी एक परिवार एक भविष्य जी20 प्रेसीडेंसी का विषय होगा पीएम मोदी। टकसाल । 16 नवंबर 2022।

4.वर्मा,अनुज 12 दिसंबर 2022। भारत की जी20 अध्यक्षता और इसके निहितार्थ। बिल्कुल सही समीक्षा अनुज 12 दिसंबर 2022 को लिया गया ।

5.पी राजेश 26 अगस्त 2023। जी20 शिखर सम्मेलन.से.पता.दबाव.वैश्विक.मुद्दे 2023। 26 अगस्त 2023 को मूल से संग्रहीत । 26 अगस्त 2023 को लिया गया ।

6.प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साक्षात्कार के मुख्य अंश जी20 की अध्यक्षता से लेकर विनिर्माण स्थल के रूप में भारत तक प्रधानमंत्री ने देश के लिए अपना व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया । बिजनेस टुडे । 26 अगस्त 2023 । 28 अगस्त 2023 को पुनःप्राप्त

7.एक्सक्लूसिव पीएम मोदी ने क्रिप्टोकरेंसी पर वैश्विक ढांचे का आह्वान किया। यहां उन्होंने क्या कहा । इंडिया टुडे । 28 अगस्त 2023 को पुनःप्राप्त

8.जी20 की नियुक्ति कर पूरी दुनिया को नई राह दिखा रहा है भारत एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में बोले मोदी। आज तक ;हिंदी में। 26 अगस्त 2023। 28 अगस्त 2023 को लिया गया ।

9.कैरिन बैरी 4 नवंबर 2810। जी20 प्रक्रिया का भविष्य । अंतर्राष्ट्रीय शासन नवाचार केंद्र । 15 अप्रैल 2012 को मूल से संग्रहीत । 19 अक्टूबर 2011 को पुनःप्राप्त

10.इटली इंडोनेशिया के बाद भारत 2023 में जी20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा ब्राजील 2024 में अध्यक्षता करेगा । इंडिया टुडे । 22 नवंबर 2020

11.जी20 सचिवालय की मेजबानी कौन करेगा चोसुन इल्बो 15 नवंबर 2014, 14 मार्च 2013 को लिया गया

12.जी20 सदस्य। जी20 2015 तुर्की । 22 जनवरी 2019 को मूल से संग्रहीत । 4 दिसंबर 2018 को लिया गया